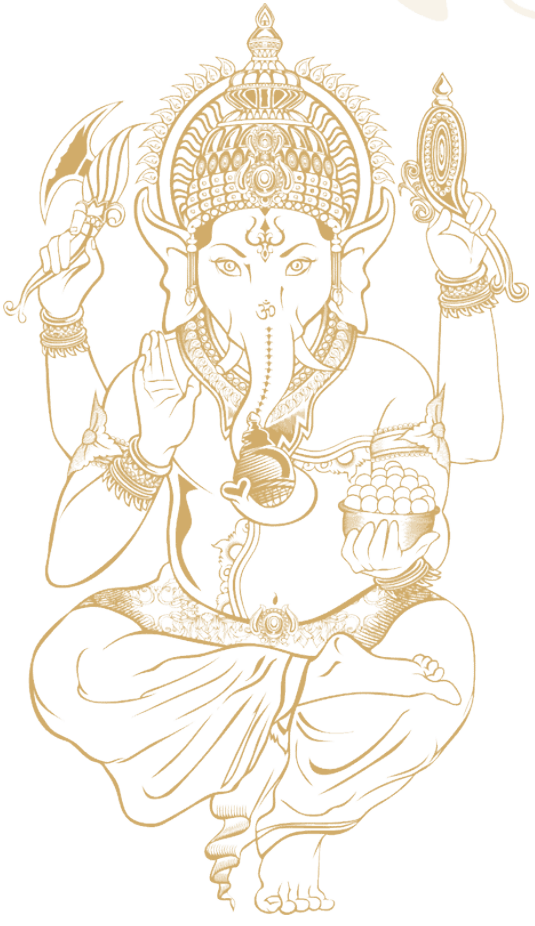

Suman

14 Oct 1994

07:30 PM

Merta

Model: web-freekundliweb

Order No: 120955303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/10/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:30:47 घंटे**
इष्ट	32:26:11 घटी
स्थान	**Merta**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:39:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:57:15 घंटे
वेलान्तर	00:13:54 घंटे
साम्पातिक काल	20:28:47 घंटे
सूर्योदय	06:32:18 घंटे
सूर्यास्त	18:06:41 घंटे
दिनमान	11:34:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:12:36 कन्या
लग्न के अंश	24:54:41 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:54:41	422:10:18	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	27:12:36	00:59:26	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	01:15:28	12:50:55	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	11:41:50	00:32:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व		तुला	10:50:59	00:42:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	24:01:31	00:12:28	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	व		तुला	24:11:14	00:03:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:27:16	00:02:32	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:15:12	00:03:33	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:15:12	00:03:33	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:40:04	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:49:33	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:46:53	00:02:02	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मक	11:03:48	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:15

लग्न-चलित

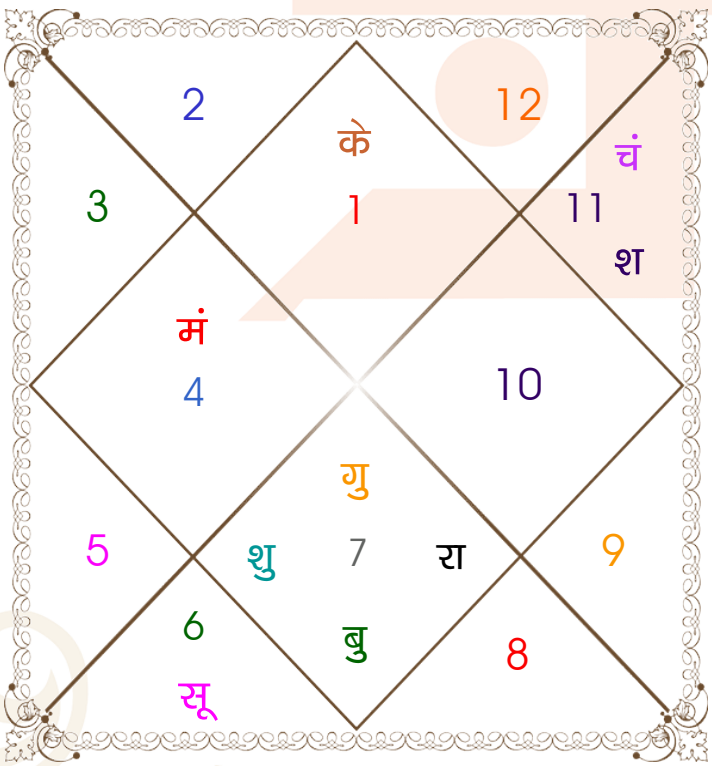

चन्द्र कुंडली

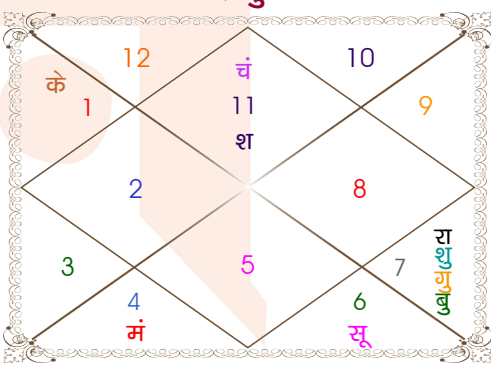

नवमांश कुंडली

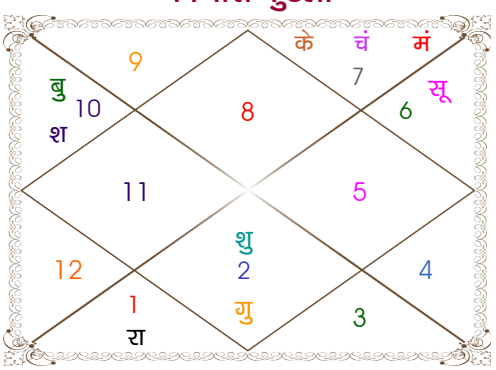

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 10 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/10/1994		16/08/1997		17/08/2015		17/08/2031		17/08/2050	
16/08/1997		17/08/2015		17/08/2031		17/08/2050		17/08/2067	
	00/00/0000	राहु	29/04/2000	गुरु	04/10/2017	शनि	20/08/2034	बुध	12/01/2053
	00/00/0000	गुरु	22/09/2002	शनि	16/04/2020	बुध	29/04/2037	केतु	10/01/2054
	00/00/0000	शनि	29/07/2005	बुध	23/07/2022	केतु	08/06/2038	शुक्र	09/11/2056
	14/10/1994	बुध	16/02/2008	केतु	29/06/2023	शुक्र	07/08/2041	सूर्य	16/09/2057
बुध	12/02/1995	केतु	05/03/2009	शुक्र	27/02/2026	सूर्य	20/07/2042	चंद्र	15/02/2059
केतु	11/07/1995	शुक्र	05/03/2012	सूर्य	16/12/2026	चंद्र	19/02/2044	मंगल	13/02/2060
शुक्र	10/09/1996	सूर्य	28/01/2013	चंद्र	16/04/2028	मंगल	29/03/2045	राहु	01/09/2062
सूर्य	15/01/1997	चंद्र	29/07/2014	मंगल	23/03/2029	राहु	03/02/2048	गुरु	07/12/2064
चंद्र	16/08/1997	मंगल	17/08/2015	राहु	17/08/2031	गुरु	17/08/2050	शनि	17/08/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/08/2067		17/08/2074		17/08/2094		17/08/2100		18/08/2110	
17/08/2074		17/08/2094		17/08/2100		18/08/2110		00/00/0000	
केतु	13/01/2068	शुक्र	16/12/2077	सूर्य	04/12/2094	चंद्र	18/06/2101	मंगल	14/01/2111
शुक्र	14/03/2069	सूर्य	16/12/2078	चंद्र	05/06/2095	मंगल	17/01/2102	राहु	01/02/2112
सूर्य	20/07/2069	चंद्र	16/08/2080	मंगल	11/10/2095	राहु	19/07/2103	गुरु	07/01/2113
चंद्र	18/02/2070	मंगल	16/10/2081	राहु	03/09/2096	गुरु	17/11/2104	शनि	16/02/2114
मंगल	17/07/2070	राहु	16/10/2084	गुरु	23/06/2097	शनि	18/06/2106	बुध	15/10/2114
राहु	05/08/2071	गुरु	17/06/2087	शनि	05/06/2098	बुध	17/11/2107		00/00/0000
गुरु	11/07/2072	शनि	17/08/2090	बुध	11/04/2099	केतु	17/06/2108		00/00/0000
शनि	20/08/2073	बुध	17/06/2093	केतु	17/08/2099	शुक्र	16/02/2110		00/00/0000
बुध	17/08/2074	केतु	17/08/2094	शुक्र	17/08/2100	सूर्य	18/08/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 10 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में बृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सकी तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगी।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगी। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगी। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग की शिकार हो जाएंगी। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगी।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हैं। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगी। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगी।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़ी धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगी। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश का आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़ी कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगी तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहती हैं, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगी।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप

अपनी जन्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगी।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेती हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाती हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगी।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगी तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगी। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगी। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।